

राजस्थान सरकार
संपादक कल्याण विभाग

कुमांक ४०११(१२५) आरएष्टी। संख्या १८६८९५-९३१
संघर्ष संभालीय अधिकार
संघर्ष जिला कल्याण

जयपुर, दिनांक ८-११-९४

प्रतिश्वेष

विभाय:- राजस्थान राज्य में अधिसूचित पिछड़े वर्गों में भेर हिन्दू वर्गों
के व्यवितरणों को प्रमाण पत्र दिये जाने के संबन्ध में ।

राजस्थान राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के पृथम प्रतिवेदन, १९९४ के आधार पर
संपादक कल्याण विभाग की अधिसूचना कुमांक एफ११(१२५) आरएष्टी। संख्या ५२३०७
दिनांक ६ अगस्त, १९९४, जो राजस्थान राजपत्र के विशेषांक पाँग १(ह) दिनांक
४ अगस्त, १९९४ में प्रकाशित की गई थी, दारा राज्य में सभी प्रयोजनार्थी पिछड़े वर्गों
की सूची जारी की गई है। हिन्दू पिछड़े वर्गों के समान ही पेट्रुक व्यवसाय वाले
भेर हिन्दू वर्गों की इस्थिति के बारे में स्पष्टीकरण के लिये राज्य सरकार को कई
शपथ प्राप्त हुए हैं।

आ: इस बिन्दु का परीक्षण कर निर्देशानुसार उपष्टि किया जाता है कि
ऐसे भेर हिन्दू व्यवसायिक जातियों को, जो अपने पूरतीनी। पेट्रुक व्यवसाय के नाम
से जानी जाती है और जिन्हें हिन्दू प्रतिहप पिछड़े वर्गों की सूची में सम्पादित
कर लिये हैं वे जिन्हें हिन्दू भेर भेर हिन्दू पेट्रुक व्यवसायिक नाम समान हैं, को
भी पिछड़े वर्गों में ही माना जायेगा।

किसी भी व्यक्ति को पिछड़े वर्ग का प्रमाणीय पत्र देने से पहले इस बात
का जांच की जानी जाहिये कि उसका व्यवसायिक पेट्रुक नाम ऐसांकित हिन्दू पिछड़े
वर्ग के समान ही है और इसी रूप में सामान्यतया संबोधित किया जाता है।

(बार०सी०रुंगटा)
ज्ञासन उप सचिव

कुमांक एफ११(१२५) आरएष्टी। संख्या १८६९३२-८७०३। जयपुर, दिनांक ८-११-९४

प्रतिलिपि :-

- १- पुरुष संविव योग्य, राजस्थान सरकार, जयपुर।
- २- संघर्ष पुरुष शासन संचिव। शासन संचिव।
- ३- संचिव, वैहापहिम राज्यपाल पश्चोदय, राजस्थान सरकार, जयपुर।
- ४- संघर्ष संचिव, योग्य पर्यायी पश्चोदय, राजस्थान सरकार, नहीं दिल्ली।
- ५- संघर्ष संचिव, कल्याण पत्रालय, पास्त सरकार, नहीं दिल्ली।
- ६- संघर्ष, राजस्थान विधान सभा, जयपुर।
- ७- परिज्ञक, राजस्थान उच्च न्यायालय, जयपुर।
- ८- संचिव, राजस्थान लोक सेवा आयोग, जयपुर।
- ९- संघर्ष संचिव, राजस्थान राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग, जयपुर।
- १०- निजी संचिव, संघर्ष कलीगण।
- ११- अतिरिक्त परिज्ञक, राजस्थान उच्च न्यायालय, जयपुर वैव जयपुर।

---2

(2)

- 12- उपरते किंगगाढ्यदा
- 13- निदेशक, सूधना रवं बन सम्पर्क, राजधान, जयपुर।
- 14- सफरते पुलिस अधीदाक।
- 15- सफरते संस्कृते निदेशक, सपाज कल्याण विभाग।
- 16- सफरते सड़ायक निदेशक। जिता परिवीक्षा रवं सपाज कल्याण अधिकारी।
- 17- गार्ड फार्मले।


राजा रणबीर सिंह